मुख्यमंत्री ने सपरिवार स्ट्रीट वैंडर्स से दीपावली की खरीददारी की

उन्होंने मानसरोवर के बड़ा बाजार में दिये, पूजन सामग्री, फल आदि खरीदे

जयपुर, 19 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली की पूर्व संध्या पर स्थानीय दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से खरीदारी कर वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने रविवार को सपरिवार मानसरोवर के किरण पथ स्थित बड़ा बाजार में दीपावली की खरीददारी की और मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार एवं फल आदि खरीदे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरान स्थानीय दुकानदारों व स्ट्रीट वैंडर्स से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर के किरण पथ स्थित बड़ा बाजार में स्थानीय दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से दीपावली की खरीददारी की।

शर्मा ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी की दरों में भारी कमी की है, जिससे दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। त्योहार पर बचत होने से आमजन में खरीदारी को लेकर काफी उमंग और उत्साह नजर आ रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए स्थानीय दुकानदारों और स्ट्रीट वेंडर्स से अधिक से अधिक खरीदारी करनी चाहिए, जिससे उनके घरों में खुशहाली बढ़े। मुख्यमंत्री ने इस दौरान दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर डिजिटल इंडिया को भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्थानीय व्यापार संगठनों एवं आमजन ने मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन किया।

पाकिस्तान व अफगानिस्तान में संघर्ष विराम पर सहमति

दोहा,19 अक्टूबर। कतर की राजधानी दोहा में आयोजित वार्ता में पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हो गये हैं।

कतर के विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुयी इस वार्ता के नतीजे अच्छे रहे और दोनों पक्ष स्थायी शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के मकसद से एक प्रणाली बनाने पर राजी हो गये। बयान में आगे कहा गया है कि दोनों पक्ष आने वाले दिनों में संघर्षविराम के प्रावधानों को भरोसेमंद तरीके से क्रियान्वित करने के लिए बैठकें करने पर भी राजी हो गये। इससे दोनों देशों में सुरक्षा और स्थिरता का माहौल कायम होगा। कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि यह कदम पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सरहद पर तनाव को कम करने और इलाके में अमन की मज़बूत बुनियाद रखने में मददगार साबित होगा।

जेईई मेन की परीक्षा 21 से 30 जनवरी के बीच होगी

एनटीए ने घोषणा की है कि परीक्षा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया अक्टूबर में कशुरु हो जायेगी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2026 परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह परीक्षा जनवरी और अप्रैल दोनों सत्रों में आयोजित की जाएगी। एनटीए के अनुसार, सत्र 1 की परीक्षा 21 से 30 जनवरी 2026 के बीच होगी और इसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया अक्तूबर, 2025 से ही आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू होगी।

- **जेईई मेन 2026 परीक्षा, जनवरी व अप्रैल में 2 सत्रों में आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि उम्मीदवार को ज्यादा दूर न जाना पड़े।**

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने जेईई (मेन) 2026 में अधिक उम्मीदवारों को शामिल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके तहत परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है ताकि उम्मीदवारों को ज्यादा दूर न जाना पड़े। साथ ही, दिव्यांग उम्मीदवारों की विशेष जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है, ताकि सभी आसानी से परीक्षा दे सकें।

एनटीए, आधार प्रमाणीकरण के जरिए यूआईडीएआई से उम्मीदवार का नाम, जन्मतिथि, लिंग, फोटो और पता प्राप्त करेगा। आधार में कोई बदलाव कराने के लिए उम्मीदवार को यूआईडीएआई के दिशा निर्देशों का पालन करना होगा। लेकिन, पिता/माता/अभिभावक का नाम आदि आधार में दर्ज नहीं होते, इसलिए उम्मीदवारों को यह जानकारी ऑनलाइन आवेदन पत्र में अलग से भरनी होगी। यदि किसी उम्मीदवार का नाम आधार कार्ड और 10वीं के शैक्षिक प्रमाण पत्र/मार्कशीट में मेल नहीं खाता है, तो आवेदन भरते समय इसे ठीक करने का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

पेरिस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे प्रसिद्ध म्यूजियमों में से एक है। यहाँ हर साल लाखों की संख्या में दर्शक आते हैं। विश्व प्रसिद्ध मोनालिसा की पेंटिंग भी इसी संग्रहालय में रखी हुयी है।

जन सुराज के प्रदेश प्रवक्ता व संस्थापक सदस्य भाजपा में शामिल

पटना, 19 अक्टूबर। जन सुराज के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार पासवान, मानस भूमि विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल की निदेशक और पूर्व जिला पार्षद अनिता कुमारी और जन सुराज के संस्थापक सदस्य कर्मवीर कुशवाहा आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित एक मिलन समारोह में सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया और कहा कि महागठबंधन सत्ता की दुकानदारी चाहता है जबकि राजग विकसित बिहार का सपना पूरा करना चाहता है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में मतदाताओं के रुझान को देखते हुए जननायक लोक दल पार्टी ने भी राजग को समर्थन देने की घोषणा की है।

लद्दाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के भीतर अधिकतर पाबंदियां हटा ली गईं थीं। इस मामले में अब लद्दाख के प्रतिनिधि 22 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के साथ बातचीत करेंगे।

गाज़ा पट्टी पर इज़रायल के हवाई हमले

इज़रायल ने हमास पर शांति समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया

तेल अवीव, 19 अक्टूबर। अमेरिकी मध्यस्थता में इज़रायल व हमास के बीच हुआ शांति समझौता खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है। फिलिस्तीनियों ने इज़रायली सेना पर रविवार को गाज़ा पर हमले करने का आरोप लगाया। इसमें दो लोग मारे गए। दूसरी तरफ, इज़रायल ने हमास पर शांति समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

गाज़ा में रहने वाले फिलिस्तीनियों ने बताया कि उन्होंने दक्षिण में स्थित राफा में धमाकों व गोलीबारी की आवाज सुनी। दूसरी तरफ, खान यूनिस के करीब अबसान शहर में इज़रायली टैंकों की भीषण गोलाबारी की आवाज सुनी गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने दोपहर में हवाई हमलों की लहरें देखीं। इस मामले में इज़रायली सेना ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उधर, गाज़ा के स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने पूर्वी जबालिया में इज़रायली हमलों में दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि की।

- **इज़रायल और हमास के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाद शांति समझौता खतरे में पड़ता नज़र आ रहा है।**

द टाइम्स ऑफ इज़रायल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इज़रायली सेना सुरक्षा बलों पर आतंकी हमलों के बाद राफा में हवाई हमले कर रही है। हालांकि, उसने अपनी रिपोर्ट में सूचना के स्रोत का खुलासा नहीं किया। एक इज़रायली सैन्य अधिकारी ने रविवार को कहा कि हमास ने सुरक्षा बलों पर कई बार हमले किए हैं। इनमें रॉकेट से किए जाने वाले और स्नाइपर हमले शामिल हैं। उधर, हमास के वरिष्ठ अधिकारी इज्जत अली रिशीक ने कहा कि उनका समूह संघर्ष विराम के प्रति प्रतिबद्ध है, जबकि इज़रायल लगातार शर्तों का उल्लंघन कर रहा है।

फिलिस्तीनी अधिकारियों के हवाले से अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि महीने की शुरुआत में संघर्षविराम लागू होने के बाद से इज़रायल ने 47 बार इसका उल्लंघन किया है। इज़रायली हमलों में 38 लोग मारे गए हैं और 143 घायल हुए हैं।

इज़रायल ने शनिवार को कहा कि गाज़ा व मिस्र के बीच राफा सीमा अगले आदेश तक बंद रहेगी। इससे पहले मिस्र में फिलिस्तीनी दूतावास ने कहा था कि गाज़ा लौटने वाले लोगों के लिए सोमवार को फिर से इसे खोल दिया जाएगा। इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि राफा को फिर से खोलना इस बात पर निर्भर करेगा कि हमास सभी मृत 28 बंधकों के अवशेष लौटाने की युद्धिवराम की शर्त को कैसे पूरा करता है।

भारत में छोटे, पोर्टेबल न्यूक्लियर रिएक्टर बनेंगे

सुरक्षा मानकों में मजबूत रिएक्टर जहाजों पर या अलग-अलग इंडस्ट्री में लग सकेंगे

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आधुनिक तकनीक के लिहाज से एक बड़ा कदम आगे बढ़ा रहा है। देश में छोटे, पोर्टेबल न्यूक्लियर रिएक्टर डेवलप किए जा रहे हैं, जिनमें सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें जहाजों पर या अलग-अलग इंडस्ट्री में लगाया जा सकेगा। भारतीय परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के साइन्टिस्ट इस काम में जोरशोर से लगे हुए हैं। पहले दो रिएक्टर पर फोकस है, जिनमें एक की क्षमता 55 मेगावाट और दूसरे की 200 मेगावाट होगी।

इसका मतलब साफ है कि अब बिजली सिर्फ जमीन पर ही नहीं, बल्कि समुद्र में भी पैदा की जा सकेगी। 200 मेगावाट वाला रिएक्टर इतना पावरफुल है कि किसी बड़ी इंडस्ट्री, जैसे सीमेंट मिल या बिजली-खपत वाले यूनिट्स को भी चला सकता है। अधिकारी ने यह भी कहा कि ये रिएक्टर सुरक्षा मानकों के लिहाज से बहुत मजबूत हैं और इन्हें कॉमर्शियल जहाजों में भी लगाया जा सकता है।

अफसरों ने न्यूक्लियर सबमरीन में इसके इस्तेमाल पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। भारत के पास फिलहाल दो होम-बिल्ट न्यूक्लियर सबमरीन हैं- आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात, जो 83 मेगावाट के रिएक्टर से चलती हैं। तीसरी न्यूक्लियर सबमरीन आईएनएस अरिधमन ट्रायल में है। अगर 200 मेगावाट वाले छोटे रिएक्टर को इस्तेमाल में लाया गया, तो यह नौसेना और वाणिज्यिक जहाज दोनों के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

- **अगर योजना के अनुरुप 200 मेगावाट वाले छोटे रिएक्टर को इस्तेमाल में लाया गया, तो यह नौ सेना और वाणिज्यिक जहाजों के लिए गेम चैंजर साबित होगा।**

सरकार ने यह भी घोषणा की है कि एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962 में बदलाव करके निजी कंपनियों को सिविल न्यूक्लियर सेक्टर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसका मतलब है कि अब सिर्फ सरकारी विभाग ही नहीं, बल्कि निजी क्षेत्र भी न्यूक्लियर पावर प्लांट चला सकेगा और न्यूक्लियर फ्यूल के शुरुआती हिस्से को संभाल सकेगा।

साथ ही निजी कंपनियों को विदेशी देशों से फ्यूल खरीदने की भी अनुमति दी जा सकती है, साथ ही खर्चा हुआ फ्यूल वापस उसके देश को भेजने की व्यवस्था भी की जा सकती है। इसके साथ ही सिविल लाइबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट में भी बदलाव किए जा रहे हैं, ताकि न्यूक्लियर उपकरण सप्लायर की जिम्मेदारी केवल कॉन्ट्रैक्ट में तय सीमा तक रहे। नए बदलाव में 'सप्लायर' को क्रिटिकल उपकरण प्रदान करने वाले के रूप में परिभाषित किया गया है।

ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में लाखों अमेरिकी सड़क पर उतरे

न्यूयॉर्क/सैन फ्रांसिस्को, 19 अक्टूबर। अमेरिका में शनिवार को 2,700 शहरों और कस्बों में लाखों लोग राष्ट्रव्यापी नो किंग्स विरोध प्रदर्शनों में सड़कों पर उतर आये। यह अमेरिकी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय विरोध प्रदर्शन था।

उल्लेखनीय है कि नो किंग्स आंदोलन का यह दूसरा प्रदर्शन था। इससे पहले इसी साल 14 जून को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के जन्म दिन पर पहले प्रदर्शन का आयोजन हुआ था, जिसमें पचासों राज्यों से हजारों लोगों ने भाग लिया था। प्रदर्शनकारी ट्रंप के तानाशाही रवैये के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। उनका कहना है कि ट्रंप एक लोकतंत्र में राजा की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जो असंवैधानिक है।

न्यूयॉर्क शहर में 1,00,000 से ज़्यादा प्रदर्शनकारी टाइम्स स्क्वायर पर जमा हुए थे, जिनके हाथों में, "नफ़रत अमेरिका को महान नहीं बनाएगी, अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) को न्यूयॉर्क शहर से बाहर करो, हमारे संविधान की रक्षा करो, लोकतंत्र, राजतंत्र नहीं और संविधान वैकल्पिक नहीं है" जैसे पोस्टर थे।

एक प्रदर्शनकारी टोनी चार्ली ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवास एक परंपरा है और प्रवासी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। "आईसीई अपराधियों के पीछे नहीं पड़ रही, बल्कि उन निर्दोष लोगों के पीछे पड़ रही है जो मेहनती हैं और इस देश में योगदान दे रहे हैं।"

सैन फ्रांसिस्को में प्रशासन की इमिग्रेशन (आव्रजन) कार्रवाई और हाल ही में कई अमेरिकी शहरों में नेशनल गार्ड की टुकड़ियों की तैनाती के विरोध में लगभग 50,000 लोग सड़कों पर उतर आये थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908